# देश में जल, वायु व जलवायु एक आम आदमी के स्वास्थ्य के लिए कैसे लाभप्रद हो सकते हैं ?

**जब हम निम्न को मानें व अपनाएं:-**

जल + वायु = जलवायु

1. यह मानना अति आवश्यक है कि जलवायु ही साक्षात् ब्रह्मा है, जल ही साक्षात् विष्णु है व वृक्ष/वायु ही साक्षात् शंकर है ।
2. इसके लिए जरूरी है:-

वृक्षों का सत्कार
नदियों का श्रृंगार → प्रकृति को नमस्कार
प्रदूषण का बहिष्कार

**ग्लोबल वार्मिंग को रोकने का इसके अतिरिक्त इस संसार में कोई दूसरा मार्ग नहीं है ।**

3. **ऐसा करने पर :** चारों और हरियाली व प्राकृतिक सौंदर्य साक्षात् महासरस्वती के रूप में विध्यमान है ।
4. **ऐसा करने पर :** फलों से भरे वृक्ष व फसलों से भरे खेत - साक्षात् महालक्ष्मी के रूप में विध्यमान है ।
5. **ऐसा ना करने पर :** भूकंप, तूफान, सूखा व बाढ़ इत्यादि साक्षात् महाकाली के रूप में विध्यमान है ।

पिछले कुछ महीनों में हमारे देश का काफी हिस्सा बाढ़ की चपेट में था जिससे जान व माल की काफी हानि हुई । अब सूखे का देश के कुछ हिस्सों में खतरा बना हुआ है ।

क्या हमने कभी जानने की कोशिश की ऐसा क्यों हो रहा है ? यह सब ग्लोबल वार्मिंग के कारण हो रहा है । इसका केवल एक ही उपचार है और वह है **वृक्षों का सत्कार, नदियों का श्रृंगार व प्रदूषण का बहिष्कार, जिससे प्रकृति को नमस्कार किया जा सकता है ।**

यदि आप इन नियमों को मानें तो चारों तरफ हरियाली, प्रकृतिक सौंदर्य होगा, फलों से लदे वृक्ष और खेत फसलों से लहलहाते होंगे ।

यदि आप इन नियमों का पालन नहीं करते तो आपको भूकंप , तूफान, सूखा, बाढ़ इत्यादि का सामना करना पड़ेगा ।

यदि आप अपने देश हिन्दुस्तान को स्वर्ग बनाना चाहते हैं तो यह अत्याधिक आवश्यक है कि हम अपने जीवन की अति आवश्यक जीवन रेखा , जीवनदाई जल, वायु व जलवायु की रक्षा करें जिससे ग्लोबल वार्मिंग व प्राकृतिक आपदाओं को नियन्त्रित किया जा सके और खुशहाल जीवन उपलब्ध हो सके ।

**श्री परमधाम, मेरठ**